3 “गिल्लू“ (लेखिका- महादेवी वर्मा)

शब्दार्थ

शब्द-अर्थ	शब्द-अर्थ
• अनायास –यूँही, बिना प्रयास के	• उपरांत –बाद
• हरीतिमा –हरियाली	• आश्वस्त –चैन में आना
• स्वर्णिम –सोने जैसा, सुनहरा	• स्निग्ध –चिकना
• काकभुशुंडि- –कौआ, एक ऋषि का नाम	• झब्बेदार –खूब वालों वाली
• अवमानित –तिरस्कृत	• विस्मित –आश्चर्यचकित
• काक –कौआ	• कार्यकलाप –गतिविधि
• अवतीर्ण –प्रकट होना	• मनका –मोती
• दूरस्थ –दूर स्थित	• तीव्र –तेज़
• कर्कश –कानों को बुरा लगने वाला	• उपाय –तरीका
• काकपुराण –कौवे का पुराण	• लघुघात – छोटा-सा
• काकद्वय- –दोनों कौवे	• अद्‌भुत –आश्चर्यजनक
• छुआ-छुऔबल - एक-दूसरे को छूने का एक प्रकार का खेल	• मुक्त –खुला, औलाद, स्वतंत्र
• संधि –मिलन	• नित्य का क्रम –रोज की बात
• संभवतः –शायद	• उत्पन्न –पैदा
• सुलभ –सरलता से प्राप्त	• स्मरण –याद
• आहार –भोजन	• अपवाद –नियम से भिन्न
• लघुप्राण –छोटा प्राणी	• खाद्य –खाने की वस्तु, खाने योग्य पदार्थ
• निश्चेष्ट –जो हिलडुल न रहा हो	• आहत –घायल
• रक्त –खून	• अस्वस्थता –तबियत ठीक न होना
• पेनिसिलीन –घाव पर लगाने वाली एक प्रकार की दवा	• यातना –कष्ट, दुःख
• ढुलक जाना –गिर जाना	• मरणासन्न –मरने के नजदीक
• प्रभात –प्रातःकाल	• उष्णता –गर्मी, ताप